पाठ 18. मानव कंप्यूटर–शकुंतला देवी

पाठ का उद्देश्य

बच्चे अधिकांशत गणित विषय से घबराते हैं। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को गणित विषय को आसान बनाने का गुण सिखाना है। इस पाठ द्वारा बच्चे गणित से डरने की बजाए उसे सरलता से हल करना सीख पाएँगे।

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ में प्रसिद्ध गणितज्ञ शकुंतला देवी ने अपने बचपन के बारे में बताया है। गणित से उनका लगाव बचपन से ही रहा है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ गणित में उनकी रुचि भी बढ़ती गई। वे जटिल प्रश्नों को कैलकुलेटर और कंप्यूटर से भी तेज़ हल करने लगीं तो लोग उन्हें 'मानव कंप्यूटर' के नाम से पुकारने लगे। उन्होंने लगभग हर देश में गणित के प्रश्नों को चुटकी में हल करने के कारनामे दिखाए। शकुंतला देवी ने कहा है कि गणित नीरस विषय नहीं है। उन्होंने बताया है कि गणित का प्रारंभिक ज्ञान ठोस होना चाहिए तभी कठिन सवालों से छुटकारा मिल सकता है। अभ्यास के द्वारा गणित की गुत्थियाँ आसानी से सुलझाई जा सकती हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की एक संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से पूछें उन्हें कौन-कौन से विषय अच्छे लगते हैं। क्या उन्हें गणित अच्छा लगता है। उन्हें बताएँ कि अब हम जो पाठ पढ़ेंगे उससे तुम्हारा गणित से लगाव बढ़ जाएगा। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चे ध्यान से सुन रहे हैं, जानने के लिए बीच-बीच में कुछ प्रश्न पूछें।

- उन्हें शकुंलता देवी के बारे में बताएँ।
- समझाएँ कि यदि उन्हें किसी विषय को समझने में परेशानी होती है तो उन्हें इस बात को छुपाना नहीं चाहिए बल्कि अपनी अध्यापक/अध्यापिका अथवा माता-पिता को अवश्य बताना चाहिए। वे तुम्हारी आवश्यक मदद करेंगे।
- बताएँ कि कोई भी विषय मुश्किल नहीं होता केवल थोड़ा ध्यान लगाकर पढ़ना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।